दून में खुले देश के पहले तीन पॉलथिीन कचरा बैंक

चर्चा में क्यों?

- 25 सितंबर, 2023 को पॉलथिीन कचरे के निस्तारण के लिये उत्तराखंड के देहरादून कैंट बोर्ड की ओर से देश के पहले तीन पॉलथिीन कचरा बैंक की स्थापना की गई है, जिनमें से एक गढ़ी स्थित कचरा बैंक का राज्य के शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- दो पॉलथिीन कचरा बैंक देहरादून के गढ़ी में और तीसरा प्रेमनगर में खोला गया है।
- यह देश का प्रथम ऐसा बैंक है, जो घरों, सड़कों से गंदगी को साफ करेगा, साथ ही आमदनी का माध्यम भी बनेगा। इस बैंक से पॉलथिीन एकत्र कर आगे भेजा जाएगा, जिससे टाइल्स, बोर्ड, गमले आदि सिज़ावटी सामान बनाए जाएंगे।
- इन संग्रहण केंद्रों में पॉलथिीन अपशिष्ट, जैसे- बैग, चिप्स रैपर, पैकिंग बैग, प्लास्टिक के कट्टे, ब्रेड के रैपर आदि तीन रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदे जाएंगे।
- गढ़ी में बिंदाल चौकी, डेयरी फार्म और प्रेमनगर में स्पेशल विंग में पॉलथिीन कचरा बैंक का संचालन इसी सप्ताह प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस बैंक में हर माह न्यूनतम 70 टन और अधिकतम 100 टन तक पॉलथिीन कचरा खरीदने का लक्ष्य है।
- कैंट बोर्ड के सीईओ अभिनव सिंह ने कहा कि वर्तमान में पॉलथिीन बैग, चिप्स रैपर, पैकिंग बैग, प्लास्टिक के कट्टे आदि को लो वैल्यू प्लास्टिक की श्रेणी में रखा जाता है। इनका न कोई खरीदार है और न बाज़ार। कूड़ा बीनने वाले भी प्लास्टिक की बोतलें, काँच आदि को उठा लेते हैं पर पॉलथिीन बैग, चिप्स रैपर आदि नहीं लेते। पॉलथिीन कचरा बैंक इसी समस्या को सुलझाएगा।
- कैंट बोर्ड की ओर से छावनी परिषद ने सैन्य क्षेत्र की आरडब्ल्यूए (रेजीडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन) के बीच में पॉलथिीन और ई-वेस्ट कलेक्शन कंपटीशन करवाया था, जिसके विजेताओं को भी शहरी विकास मंत्री ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/country-first-three-polythene-garbage-banks-opened-in-doon